नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ नागपुर महाराष्ट्र की उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी। साथ हैं ब्र.कु. मनीषा दीदी, ग्रेव्हीटस फाउंडेशन की उपाध्यक्ष उषा ताई काकडे, ब्र.कु. संजय भाई,माउण्ट आबू, ब्र.कु. डॉ. लीना दीदी,माउण्ट आबू तथा डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।

भोपाल-म.प्र.। नवनिर्वाचित माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को शॉल ओढ़ाकर ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन सेवाकेन्द्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. नीता दीदी ने सम्मानित किया एवं ईश्वरीय प्रसाद दिया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री को ईश्वरीय सेवाओं से अवगत कराते हुए सेवाकेन्द्र में आने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर ब्र.कु. आराधना बहन, ब्र.कु. दुर्गा बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

अनुभव

मैंने जो परमात्मा के बारे में पढ़ा व सुना... वो इन नज़रों से देखा

बाबा शिक्षा भी देता तो संरक्षण भी करता

गतांक से आगे...

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

मैं जब नहा-धोकर, तैयार होकर बाबा से मिलने आया, बाबा बैठे थे, कुछ कर रहे थे। मैं बाबा के पास जाकर बैठा, बाबा कहते हैं आज की मुरली सुनी, बहुत वन्डरफुल थी। बाबा ने कहा देखो श्रीकृष्ण जैसा आजतक दुनिया में कोई नहीं हुआ। क्या कमी थी उसमें, उसका नाम ही सुन्दर। अत्यन्त सुन्दर था वो और उसको हर चीज़ प्राप्त थी। फिर भी गीता में लिखा हुआ है कि जब भगवान साधारण तन में आते हैं और जो मूढ़मति लोग हैं वो, एक्सप्लेन करने का तरीका ये था, बाबा बता ऐसे रहे थे कि वो शिव बाबा के लिए ही कह रहे हैं, शिव बाबा ने कितना ये अनमोल ज्ञान दिया। नैचुरल वे में हर बात बाबा के मुख से ऐसे निकलती थी। शिव बाबा के बारे में इशारा हमेशा बाबा देते थे। तो बाबा की बात से मुझे लगा कि देखो बाबा... बाबा... याद है।

लेकिन बाबा ने कहा देखो श्रीकृष्ण को भी श्रीकृष्ण बनाने वाला कौन था? नर से नारायण उसको किसने बनाया? ये लोगों को नहीं मालूम। बच्चे ये तुम्हें बताना है। ये बाबा ने मुझे कहा, ये तुम्हें बताना है। जैसे बाबा को पहले साक्षात्कार हुआ और वो शिव बाबा आये, कमरे में लाइट भी और बाबा को नयी सृष्टि का साक्षात्कार हुआ तो मुझे बाबा ने कहा कि ये तुम्हें बताना है। मेरे तो कपाट खुल गये कि ये मुझे बताना है! फिर बाबा ने मुझे कहा कि और कितनी बातें बतानी हैं बच्चे, क्योंकि लोगों को पता नहीं है ज्ञान का बिल्कुल। देखो ना, भगवती सीता उसको कोई अंगुली भी नहीं लगा सकता, बुरी दृष्टि से देख भी नहीं सकता और उस भगवती सीता के लिए कहते हैं उसको चुराया रावण ने। तो ये कितनी गलत बातें कहते हैं, बच्चे ये सब बताना है। ऐसे बताते गए बाबा। मैं कोई डायरी, पेन्सिल तो लेकर बैठा नहीं, डायरी पेन्सिल आजतक भी मैंने रखी नहीं। बुद्धि रूपी डायरी में ही लिखता हूँ, सीधा डायरेक्ट। तो सुन रहा था मैं, जब ये सारी बातें लोगों को कहोगे तो लाठियां मारेंगे लोग लाठियां। साथ में ये कह दिया। तुम कहोगे राम की सीता नहीं चुराई गई खुश नहीं होंगे, कहेंगे कि अच्छा कैसे आप कहते हो? ये तो अच्छी बात है अगर ऐसा नहीं हुआ, ऐसे नहीं, कहेंगे कि तुम हमारे शास्त्र का खंडन करते हो। अरे ऋषि-मुनि, वालमीकि जैसे रामायण लिख गए, संत

ये स्वयं सत्य, सत्यस्वरूप है और सत्य को जानना ये भी एक बात है। लेकिन सत्य को कह पाना ये और कठिन बात है। सत्य को निर्भय होकर कह पाना, ये ब्रह्मा बाबा ये बात को ठीक तरीके से, सत्य रूप से कहता है और वो भी निर्भय होकर।

तुलसीदास ने इतनी बड़ी रामायण लिख डाली। और आज तुम छोटे से व्यक्ति, वो कहते हैं ना नन्ही सी जान और गजभर जुबान। तुम ये क्या गलत बात कहते हो, लाठियां मारेंगे फिर लाठियां खानी पड़ेंगी। लाठियां खाओगे? मैं मन में सोचने लगा कि अभी टोली तो बाबा ने खिलाई नहीं थी, पहले लाठियां खिलाने की बात बाबा ने कर दी। आपको तो टोली मिलती है मुझे ऐसे लगा मुझे तो लाठियां लगेंगी।

कोई बात नहीं, तो मैंने कहा बाबा आपके आदेश से, आपके निर्देश से, आपकी छत्रछाया से काम करूंगा। आपके संरक्षण में मुझे किस बात का डर है? बाबा बोले, सच कह रहे हो सोच के? मैंने कहा सोच के कह रहा हूँ। मैंने कहा ये जीवन आपका है इसको जिस काम में लगाना चाहते हैं, लगा लीजिए। मैं तो वही करूंगा जो आप कहेंगे। लाठियां खाने के लिए आप कहेंगे लाठियां खाऊंगा। गोलियां खाने को कहेंगे गोलियां खाऊंगा। तो मैंने देखा सत्य, भगवान के लिए कहते हैं सत्यम शिवम सुन्दरम और निर्भय। सारा समाज एक तरफ, सबके सब लोग ए टू जेड कह रहे हैं कि राम की सीता चुराई गई थी। झगड़ा ही यहाँ से शुरू हुआ सारा, कि राम की सीता चुराई गई थी। और एक है जो कहता है नहीं चुराई गई थी। हम कहते हैं नहीं चुराई गई थी।

आमतौर से व्यक्ति की नेचर ये है कि जिसमें लोगों से संघर्ष कम हो, झगड़ा न हो वो बात कहता है। ऐसी बात कोई अजीब आदमी ही कहता है जिससे लाठियां खाने के लिए तैयार हो। ये सत्य कहता है और डरता नहीं है। सेवा का पहले देखा और आते ही, बैठते ही ये देखा। ये है सत्य स्वरूप। सारी दुनिया कुछ भी कहे, सारी दुनिया रात को कहे कि अब दिन है, नहीं वो दिन नहीं रात है तो हम कहेंगे रात है। ऐसे की तलाश में मैं था। ये स्वयं सत्य, सत्यस्वरूप है और सत्य को जानना ये भी एक बात है। लेकिन सत्य को कह पाना ये और कठिन बात है। सत्य को निर्भय होकर कह पाना, ये बुजुर्ग व्यक्ति ये बात को ठीक तरीके से, सत्य रूप से कहता है निर्भय होकर। ग्रंथसाहब है सिखों का उसमें आता है पहले शुरू-शुरू में कि वो निर्भय है, भगवान जो है वो निर्भय है। और किसी मनुष्य को किसी भी परिस्थिति में, कोई भी कारण से, कभी भी अंश मात्र, लेश मात्र थोड़ा भी क्षण मात्र के लिए भी भय हो सकता है। उसको कोई भय नहीं, ये पहचान है उसकी। वो सबसे सामना करने को तैयार है।

- क्रमशः

चेन्नई-तमिल नाडु। ब्रह्माकुमारीज़ के हैप्पी विलेज सेंटर पर राज्यपाल थिरु आर.एन. रवि के वर्चुअल प्रेज़ेंस एवं ब्लेसिंग्स के साथ ब्रह्माकुमारीज़ के 'वैल्यूज़ एंड स्पीरिचुअलिटी फॉर बेटर गवर्नेंस एवं नशा मुक्त भारत अभियान' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,चेयरपर्सन,एडमिनिस्ट्रेशन विंग,ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. बीना बहन,चेन्नई, ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक,एडमिनिस्ट्रेशन विंग तथा ब्र.कु. डॉ. सचिन परब,मुम्बई।

गांधीधाम-भारत नगर(गुज.)। कच्छ के गांधीधाम स्थित डी.पी.टी. ग्राउंड में श्री बागेश्वर धाम सरकार द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय सुन्दरकाण्ड कथा के दौरान श्री धीरेंद्र शास्त्री जी को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् परमात्म स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए ब्र.कु. सरिता बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका। साथ हैं ब्र.कु. दिव्या बहन।

आगरा-पीपल मंडी(उ.प्र.)। आगरा विकास परिषद सम्पर्क शाखा अंतर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा आयोजित आगरा महोत्सव मिड नाइट बाज़ार के मंच पर 'नारी को सलाम नारी का सम्मान' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेयर हेमलता दिवाकर के द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्र.कु. पारसमणि बहन को आध्यात्मिकता के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाली शहर की 17 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

छतरपुर-विश्वनाथ कॉलोनी(म.प्र.)। नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती ललिता यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रमा बहन। साथ ही उन्हें ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू आने का निमंत्रण भी दिया। इस मौके पर ब्र.कु. नीतू बहन, ब्र.कु. रीना बहन, ब्र.कु. कल्पना बहन तथा ब्र.कु. रीमा बहन मौजूद रहे।

इंदौर-ज्ञानशिखर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ इंदौर ज़ोन के संस्थापक व पूर्व क्षेत्रीय निदेशक ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई जी के 8वें पुण्य स्मृति दिवस पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, ब्र.कु. हेमलता दीदी, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन के प्रेज़िडेंट संतोष शुक्ला, कुशाभाउ ठाकरे पत्रकारिता विश्व विद्यालय,रायपुर के पूर्व कुलपति डॉ. मानसिंह परमार, उज्जैन सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उषा दीदी, जयपुर से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. चन्द्रकला बहन, पूर्व महापौर उमाशशि शर्मा, ब्र.कु. अनीता बहन, ब्र.कु. शशि बहन तथा अन्य।

कादमा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय सेवाकेन्द्र एवं समाज सेवा प्रभाग के तत्वाधान में आयोजित 'निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर' का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए सीएमओ डॉ. विनोद कुमार, डिप्टी सीएमओ डॉ. आशीष मान, ब्र.कु. वसुधा बहन, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, ब्र.कु. ज्योति बहन, नीतू पंच, सुबे स्वामी पंच, समाज सेवा समिति के अध्यक्ष मा. संजू जी तथा अन्य। इस अवसर पर डॉ. भूपेंद्र सिंह एसएमओ गोपी, डीपीएम संजय, डॉ. रमेश पीएचसी कादमा, डॉ. अंबिका, डॉ. अभिमन्यु, डॉ. प्रदीप मुकेश बलबीर, रजनीश संजू, पूजा आदि शामिल रहे।

अभनपुर-रायपुर(छ.ग.)। नव निर्वाचित विधायक इंद्र कुमार साहू को बधाई देने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. सविता बहन एवं ब्र.कु. रामेश्वरी बहन।